STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

CLASS 8

Subject: Hindi literature Date-11-06-2020

Topic- poem Time Limit-30 mins

Worksheet No.:17

[Copy the questions and solve them on a sheet of paper date wise. Keep the worksheets ready in a file to be submitted on the opening day

Edit with WPS Office

5 क्यों भूल गए तुम मुसकाना!

यदि मानव की सोच सकारात्मक है तो उसके मुख-मंडल पर सदैव मुसकराहट के भाव परिलक्षित होते हैं। यही भाव मानव को मानव का मीत बनाने व दृढ़चित्त होकर नई ऊर्जा भरने में सहायक होते हैं तथा उन्नति के मार्ग से विचलित नहीं होने देते हैं। अतः प्राकृतिक रूप से मिली बहुमूल्य वरदान मुसकराहट को हमें भूलना नहीं चाहिए। प्रस्तुत कविता इन्हीं भावों से व्याप्त संदेश दे रही है।

क्यों भूल गए तुम मुसकाना
मुसकान व्यक्ति का आभूषण
इसमें कुछ खर्च न आता है
पाने वाला होता प्रसन्न
देने वाला सुख पाता है।

उत्पन्न एक क्षण में होकर
यह मानस में बस जाती है
निर्धन हो अथवा धनी व्यक्ति
मुसकान सभी को भाती है।

मुख पर जिसके मुसकान सदा
वह मीत बनाता चलता है
घर में रहती सुख-शांति और
व्यापार फूलता-फलता है।

यह हारे को संबल देती
उर में उजास नव भरती है
जो थककर ठहर गया, उसकी
पल में थकान यह हरती है।

वरदान प्रकृति का यह अमूल्य
यह नहीं हाट में मिलती है
माँगे से मिलती नहीं कभी
यह तो चेहरे पर खिलती है।

Scanned with CamScanner

Edit with WPS Office

है चोर न इसे चुरा सकता
ले सकता मित्र उधार नहीं
यह उसे नहीं दी जा सकती
करते तुम जिससे प्यार नहीं

हर प्राणी को रहती सदैव
इसको पाने की अभिलाषा
देने में करें न कंजूसी
यह है जग की परिचित भाषा।

यह मनमोहिनी कही जाती
चाहता इसे जग अपनाना
इस पर मर मिटता हर मनुष्य
क्यों भूल गए तुम मुसकाना।

—महेशचंद्र त्रिपाठी

शब्दार्थ (Word - Meaning)

आभूषण	– अलंकार/गहना	मानस	– मन/हृदय	मीत	– मित्र
संबल	– सहारा	उर	– हृदय	उजास	– प्रकाश/उजाला
नव	– नया	हरती	– दूर करती	अमूल्य	– अनमोल
हाट	– दुकान/बाज़ार	अभिलाषा	– इच्छा	परिचित	– जानी पहचानी
मनमोहिनी	– प्रिय/मन को मोहने वाली	जग	– संसार		

Edit with WPS Office

क्यों भूल गए तुम मुसकाना

प्रस्तुत कविता में कवि का कहना है कि मानव के मुख मंडल पर मुस्कराहट प्रकृति की देन है जो उसके सकारात्मक सोच को दर्शाती है। हमें अपने जीवन पथ पर चलते हुए मुसकराहट को कभी भूलना नहीं चाहिए, चाहे कितनी ही मुसिबतों का सामना क्यों न करना पड़े।

भावार्थ →

① क्यों भूल गए तुम _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ देने वाला सुख पाता है।

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि का कहना है कि मुसकराहट मानव का आभूषण है तथा इसके लिए हमें कुछ खर्च करना नहीं पड़ता है। दूसरों के साथ मुसकराहट के साथ मिलने अथवा बातें करने से दोनों को ही खुशी मिलती है।

② उत्पन्न एक क्षण में होकर _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ _ _ _ मुसकान सभी को भाती है।

कवि का कहना है कि यह किसी व्यक्ति के चेहरे पर क्षण भर के लिए उभरती है परन्तु देखने वाले मन में सदा के लिए बस जाती है। यह एक ऐसी भाव है जो निर्धन अथवा गरीब सभी को अच्छी लगती है।

③ मुख पर जिसके _ _ _ _ _ _ _
_ _ _ _ फूलता - फलता है।

कवि का कहना है कि जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है उसके जीवन में मित्रों की कमी नहीं होती है। उसके घर पर हमेशा सुख-शांति बनी रहती है क्योंकि वह सभी सदस्यों के साथ हमेशा मुस्करा कर बातें करता है। उसके व्यवसाय में भी उन्नति होती है क्योंकि वह सभी के साथ मुसकराहट के साथ बातें करता है।

Edit with WPS Office

(4) यह हारे को — — — — — —
— — — — — थकान यह हरती है।

कवि का कहना है कि हारे हुए व्यक्ति के चेहरे पर अगर मुसकराहट होता है तो उसके मन में नई प्रकाश या साहस भरता है। अगर कोई कार्य करते-करते थक जाता है तो उसकी थकान दूसरे किसी के मुसकराहट से दूर हो जाती है।

(5) वरदान प्रकृति — — — — — —
— — — — — चेहरे पर खिलती है।

कवि का कहना है कि मुसकराहट हमें वरदान में मिली है यह दुकान अथवा बाजार में नही बिकती है। कवि आगे कहते हैं कि यह माँगने से कभी नही मिलती है तथा यह खुद-ब-खुद किसी के चेहरे पर खिलती है।

(6) है चोर न इसे — — — — —
— — — — — तुम जिससे प्यार नहीं।

कवि का कहना है कि यह एक ऐसी प्राकृतिक देन है जो हम मित्र को उधार नही दे सकते तथा चोर इसे कभी चुरा नही सकता है। इसके अलावा उस व्यक्ति को नही दी जा सकती है जिसे हम चाहते या प्यार नही करते हैं।

(7) हर प्राणी को रहती — — — — —
— — — जग की परिचित भाषा।

इन पंक्तियों में कवि का कहना है कि हर मानव को इसे पाने की आशा रहती है। कोई भी व्यक्ति इसे बाँटने या देने में कभी कमी नही करता क्योंकि यह एक सामाजिक शिष्टाचार है।

Edit with WPS Office

(8) यह मनमोहिनी — — — —
— — — — भूल गए तुम मुसकाना।

कवि का कहना है कि वर्तमान समय में हम ~~प्राकृति~~ प्रकृति की इस अनमोल भाव का व्यवहार कम कर दिए है अथवा बंद कर दिए है। यह एक ऐसी मन को मोहने वाली वाली भाव है जिसे संसार के सभी व्यक्ति अपनाते है और इसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य मर मिटता है।

प्र.) लघु उत्तरीय प्रश्न:-

(क) सभी को अपना मित्र बनाने की शक्ति किसमें होती है?

उ) सभी को वह व्यक्ति अपना मित्र बना सकता है जो किसी भी परिस्थिति में चाहे वह घर पर हो या घर के बाहर सदा मुसकराहट के साथ सभी से मिलता जुलता है।

(ख) प्रकृति का अमूल्य वरदान कहां प्राप्त हो सकता है?

उ) प्रकृति का अमूल्य वरदान मुसकान किसी दुकान या बाजार में नहीं मिलता यह तो किसी के चेहरे की भाव है जो क्षण भर के लिए उभरती है।

(ग) मुसकान को कवि ने किस भाषा में संबोधित किया है?

उ) कवि ने मुसकान को जग की परिचित भाषा के रूप में संबोधित किया है क्योंकि इसे पाने की अभिलाषा सभी को होती है।

Edit with WPS Office

(घ) संसार का प्रत्येक व्यक्ति मुसकान पर क्यों मर मिटना चाहता है?

उ) संसार का प्रत्येक व्यक्ति मुसकान पर मर मिटना चाहता है क्योंकि मनुष्य के मन को सुख एवं शांति पहुंचाती है। हारे हुए अथवा असफल व्यक्ति के अन्दर फिर से साहस जगाती है तथा थके हुए का थकान मिटाती है।

(ङ) कविता के आधार पर मुसकान की विशेषताएँ बताइए।

उ) कवि के अनुसार मुसकान मनमोहिनी, भाव है जो प्रकृति की एक अनमोल भेंट है। इसे कोई चुरा नहीं सकता, न कोई उधार ले सकता है। यह दुकान या बाजार में नहीं मिलती है। यह दूसरे को सुख-शांति देती है। हारे हुए को साहस एवं थके हुए को आराम पहुँचाती है।

(च) इस कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रस्तुत कविता के द्वारा कवि "महेशचंद्र त्रिपाठी" यह संदेश देना चाहते है कि वर्तमान समय में हम इतने व्यस्त एवं स्वार्थी हो गए है कि हम मुसकराना तक छोड़ दिए है। कवि का कहना है कि प्रकृति की इस अनमोल भेंट को हमें बनाये रखना जरूरी है क्योंकि कि इस संसार में सभी एक-दूसरे के साथ इसी भाव (मुसकराहट) के कारण मित्रता पूर्वक जुड़े रहते हैं।

Edit with WPS Office

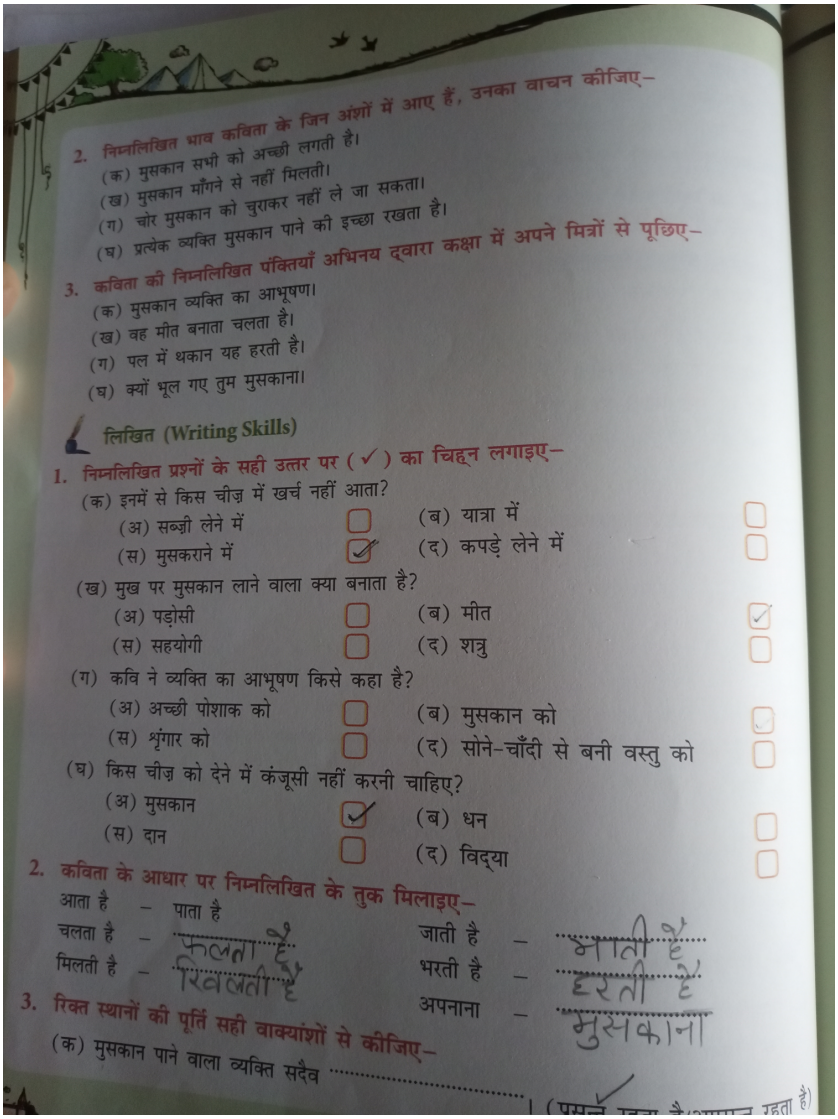

2. निम्नलिखित भाव कविता के जिन अंशों में आए हैं, उनका वाचन कीजिए–
(क) मुसकान सभी को अच्छी लगती है।
(ख) मुसकान माँगने से नहीं मिलती।
(ग) चोर मुसकान को चुराकर नहीं ले जा सकता।
(घ) प्रत्येक व्यक्ति मुसकान पाने की इच्छा रखता है।

3. कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ अभिनय द्वारा कक्षा में अपने मित्रों से पूछिए–
(क) मुसकान व्यक्ति का आभूषण।
(ख) वह मीत बनाता चलता है।
(ग) पल में थकान यह हरती है।
(घ) क्यों भूल गए तुम मुसकाना।

लिखित (Writing Skills)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) इनमें से किस चीज़ में खर्च नहीं आता?
(अ) सब्ज़ी लेने में ☐ (ब) यात्रा में ☐
(स) मुसकराने में ☑ (द) कपड़े लेने में ☐

(ख) मुख पर मुसकान लाने वाला क्या बनाता है?
(अ) पड़ोसी ☐ (ब) मीत ☑
(स) सहयोगी ☐ (द) शत्रु ☐

(ग) कवि ने व्यक्ति का आभूषण किसे कहा है?
(अ) अच्छी पोशाक को ☐ (ब) मुसकान को ☑
(स) शृंगार को ☐ (द) सोने-चाँदी से बनी वस्तु को ☐

(घ) किस चीज़ को देने में कंजूसी नहीं करनी चाहिए?
(अ) मुसकान ☑ (ब) धन ☐
(स) दान ☐ (द) विद्या ☐

2. कविता के आधार पर निम्नलिखित के तुक मिलाइए–

आता है – पाता है
चलता है – फलता है
मिलती है – खिलती है
जाती है – भाती है
भरती है – हरती है
अपनाना – मुसकाना

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति सही वाक्यांशों से कीजिए–
(क) मुसकान पाने वाला व्यक्ति सदैव .... । (प्रसन्न रहता है/उदास रहता है)

(ख) मुसकान अच्छी लगती है .....। (केवल धनी या निर्धन को/सभी को)

(ग) हारने वाले को मुसकान .....। (सहारा देती है/थकान देती है)

(घ) जिसके चेहरे पर मुसकान होती है सब उसके .....। (शत्रु होते हैं/मित्र होते हैं)

निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–

(अ) जो थककर ठहर गया, उसकी
पल में थकान यह हरती है।

(ब) उत्पन्न एक क्षण में होकर
यह मानस में बस जाती है।

(स) इस पर मर मिटता हर मनुष्य
क्यों भूल गए तुम मुसकाना!

इन पंक्तियों की व्याख्या ऊपर दिए कविता के भाव स्पष्ट से मिल जाएगा

अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

(क) कवि ने व्यक्ति का आभूषण किसे कहा है? मुसकराहट को

(ख) मुसकान देने वाला व्यक्ति क्या पाता है? मित्र

(ग) मुसकान से क्या फूलता-फलता है? व्यापार

(घ) हृदय में मुसकान से क्या भर जाता है? प्रकाश / उजाला

(ङ) हमें मुसकान बाँटने में क्या नहीं करनी चाहिए। कंजूसी

Edit with WPS Office